



# 八用中文成語辭典

义·反义·义出句  
音·解源例  
注解用法

丰瑞

編者



同義・注音・解詞・用法  
反義・解義・源出・例句

# 八用中文成語辭典

豐 瑞 編 著

香港滙通書店



## 前　　言

我國文化悠久，領域廣闊，浩如烟海。

現代人學習文化，很是龐雜，自小學這一階段起，便要中外兼顧，到中學時又得旁及數學生物，化學物理，這是一般的基礎知識，並為日後專門研究作一準備。因此，要在本國文學方面作深入研究，就得待大學這一階段。

可是能讀大學者有幾人，能讀中學者又有幾人？但文學一項則與日常生活息息相關，且為語言書寫的工具，士農工商皆不能缺，要沒有起碼的基礎，非但運用艱難抑且枯澀無味。是以文學一項不管是什麼人，研究科學的專家，商店的老闆，工廠的學徒，甚至在校的小學生，也不論是為了目前或將來的需要，都有學習這一門學問的需要。

如上所述，我國的文學領域廣闊，又從何學起呢？一般人縱使有志，亦為時間所限。

要知我國文學雖然龐大，但亦有其精髓，如能吸取精髓，則捨繁就簡，事半功倍。

然則我國文學精髓是什麼？說來簡單，就是我們常說的成語。

我國成語有它的特點，大都有經有典可查，與一般的俚語、俗語有別。故我國的成語，大部份是文學作品上的警句；它非但有很強的概括力，而且常常反映生活上的某一面，或作行為道德的見證。

由此可見，成語與我們生活的密切。過去舊制蒙館，將成語考（又稱「幼學瓊林」）列為基本課程，晚近大多數中小學，又指定成語辭典為學生的補助讀物，皆屬重視此一文學精髓的明智之舉。

從事實來說，要用幾十字還說不明白的事，一用成語，往往就非常出色，使人完全領會。所以成語無論在書信、作文，以至日常生活甚為實用。

要在浩如烟海的文學領域上，獲得相當知識實非易事，但要吸取文學中的一部份精髓却非難事。

「八用中文成語辭典」的編纂歷時兩載，易稿多次，力求實用，現今殺青刊行，特志數言，以作篇首。

## 編輯要旨

- 一、本辭典專供中小學生、自學青年暨教師等作閱讀及參考之用。
- 二、本辭典共收常用成語近三千條，足供作文，寫信一般使用。
- 三、本辭典為配合升中會考需要，舉凡各種中小學課本所用之成語，無不蒐集，並加「同義」及「反義」兩類成語，是為成語辭典之創舉。
- 四、本辭典中之成語，遇有疑難單字，均加國音及粵音注音。為方便一般學生及在業青年自習，所採注法以直注為主。如無適當直注文字，方取切音。
- 五、本辭典以成語第一字之筆畫分編。如：「仁至義盡」條，翻閱四畫仁字可得。檢查閱讀異常方便，雖未習部首亦可迅速獲得所需成語。
- 六、本辭典中之成語，分列八項說明，故用途至為廣泛，甚切實用。茲將各項編旨，分列如下：
  - 〔反義〕標出該條之相反成語，以供學生在升中試時使用。
  - 〔同義〕標出該條之同義成語，以供學生在升中試時使用。
  - 〔注音〕不論深淺，凡該成語有疑難單字者，均加國、粵兩項直注。惟不能作為學習國語或粵語之用。
  - 〔解義〕解釋該條成語的意義，力求簡明扼要。如本義為後人所改者，則於用法項內說明。
  - 〔解詞〕該條中如有字義艱深或易於誤用者，均加詳細解釋，務使讀者能對該條成語，每字之正確字義。
  - 〔源出〕標出該條成語，出於何經何典，如無出處可供查考，為今人慣用已久者，亦一併列入，不因噎廢食。

〔用法〕該條成語如何使用方為適合，詳加說明，遇有禁忌亦一併列入，務使讀者不致誤用，貽笑大方。

〔例句〕每一成語，均配例句一則或一則以上，以供讀者參考。所舉例句，完全與解釋及用途切合為原則，故一經閱讀即能舉一反三，運用自如。

七、本辭典成語追源探本，凡發現其本字為後人所改用者，一律更正，返其本來面目，惟盡可能在「解詞」項內加以闡明，以免誤為錯植。

八、本辭典編校力求精細，但錯誤之處仍恐難免，希望隨時指正，先此致謝。

#### 編 者 識

# 筆畫索引

## (一畫)

|      |   |
|------|---|
| 一丁百了 | 1 |
| 一刀兩斷 | 1 |
| 一之謂甚 | 1 |
| 一介不取 | 1 |
| 一毛不拔 | 1 |
| 一日千里 | 2 |
| 一日三秋 | 2 |
| 一日之長 | 2 |
| 一元復始 | 2 |
| 一心一德 | 3 |
| 一木難支 | 3 |
| 一手包辦 | 3 |
| 一手遮天 | 3 |
| 一孔之見 | 4 |
| 一丘之貉 | 4 |
| 一字褒貶 | 4 |
| 一目瞭然 | 4 |
| 一帆風順 | 4 |
| 一目十行 | 5 |
| 一片冰心 | 5 |
| 一世之雄 | 5 |
| 一字千金 | 5 |
| 一見如故 | 6 |
| 一見傾心 | 6 |
| 一決雌雄 | 6 |
| 一成不變 | 6 |
| 一步登天 | 6 |
| 一言爲定 | 6 |
| 一言九鼎 | 7 |
| 一言興邦 | 7 |

|      |    |
|------|----|
| 一言難盡 | 7  |
| 一事無成 | 7  |
| 一知半解 | 7  |
| 一針見血 | 8  |
| 一枝之棲 | 8  |
| 一波三折 | 8  |
| 一呼百諾 | 8  |
| 一往直前 | 9  |
| 一往情深 | 9  |
| 一刻千金 | 9  |
| 一身是胆 | 9  |
| 一柱擎天 | 9  |
| 一時緩急 | 9  |
| 一倡三歎 | 10 |
| 一敗塗地 | 10 |
| 一氣呵成 | 10 |
| 一時口惠 | 10 |
| 一得之愚 | 10 |
| 一國三公 | 11 |
| 一朝一夕 | 11 |
| 一絲一毫 | 11 |
| 一絲不掛 | 11 |
| 一筆抹煞 | 11 |
| 一表人才 | 12 |
| 一飽眼福 | 12 |
| 一舉兩得 | 12 |
| 一蹶不振 | 12 |
| 一鬪而散 | 12 |
| 一碧萬頃 | 13 |
| 一應俱全 | 13 |
| 一觸即發 | 13 |
| 一覽無餘 | 13 |
| 一顰一笑 | 13 |
| 一技之長 | 14 |
| 一念之差 | 14 |
| 一無所獲 | 14 |
| 一蹴即至 | 14 |
| 一概而論 | 14 |
| 一貧如洗 | 15 |
| 一向無敵 | 15 |
| 一長兩短 | 15 |
| 一面之詞 | 15 |
| 一望無垠 | 15 |
| 一葉知秋 | 15 |
| 一誤再誤 | 16 |
| 一掃而空 | 16 |
| 一粥一飯 | 16 |
| 一擁而上 | 16 |
| 一場春夢 | 17 |
| 一視同仁 | 17 |
| 一意孤行 | 17 |
| 一揮而就 | 17 |
| 一飯之恩 | 18 |
| 一勞永逸 | 18 |
| 一息尚存 | 18 |
| 一落千丈 | 18 |
| 一鼓作氣 | 18 |
| 一諾千金 | 19 |
| 一路福星 | 19 |
| 一鳴驚人 | 19 |
| 一網打盡 | 19 |
| 一團和氣 | 19 |
| 一髮千鈞 | 20 |
| 一瞑不視 | 20 |

|               |    |        |    |               |    |
|---------------|----|--------|----|---------------|----|
| 一盤散沙          | 20 | 二豎爲災   | 26 | 人死留名          | 34 |
| 一彈指間          | 20 | 二重人格   | 27 | 人才濟濟          | 34 |
| 一曝十寒          | 20 | 二姓之好   | 27 | 人心叵測          | 34 |
| 一塵不染          | 21 | 二桃殺三士  | 27 | 人浮於事          | 35 |
| 一箭双鵠          | 21 | 七上八落   | 27 | 人滿之患          | 35 |
| 一箭之地          | 21 | 七尺之軀   | 27 | 人聲鼎沸          | 35 |
| 一擲千金          | 21 | 七平八穩   | 28 | 人贓並獲          | 35 |
| 一錢不值          | 22 | 七零八落   | 28 | 人慾橫流          | 35 |
| 一簣之功          | 22 | 七顛八倒   | 28 | 人棄我取          | 36 |
| 一瀉千里          | 22 | 七手八脚   | 28 | 人窮志短          | 36 |
| 一籌莫展          | 22 | 七拼八湊   | 29 | 人心不古          | 36 |
| 一竅不通          | 23 | 七情六慾   | 29 | 人文薈萃          | 36 |
| 一言以蔽之         | 23 | 七擒七縱   | 29 | 人地生疏          | 37 |
| 一生受用不盡        | 23 | 七步成章   | 29 | 人命關天          | 37 |
| 一馬不被兩鞍        | 23 | 八花九裂   | 29 | 人急智生          | 37 |
| 一失足成千古恨       | 23 | 九牛一毛   | 30 | 人烟稠密          | 37 |
| 一波未平，<br>一波又起 | 24 | 九流三教   | 30 | 人盡可夫          | 37 |
| 一分耕耘，<br>一分收穫 | 24 | 九死一生   | 30 | 人貴自立          | 38 |
| 一犬吠影，<br>百犬吠聲 | 24 | 九泉之下   | 30 | 人有臉樹有皮        | 38 |
| 一登龍門，<br>聲價十倍 | 24 | 九霄雲外   | 30 | 人生如白駒過隙       | 38 |
| 一不做，二不休       | 25 | 九鍊成鋼   | 31 | 人爲刀俎，<br>我爲魚肉 | 38 |
| 一夫當關，<br>萬夫莫開 | 25 | 九牛二虎之力 | 31 | 人無遠慮，<br>必有近憂 | 38 |
| 一言既出，<br>駟馬難追 | 25 | 人人自危   | 31 | 入木三分          | 36 |
| 一將功成萬骨枯       | 25 | 人亡物在   | 31 | 入情入理          | 39 |
| 一動不如一靜        | 25 | 人亡政息   | 31 | 入國問俗          | 39 |
| 一蟹不如一蟹        | 26 | 人云亦云   | 32 | 入不敷出          | 39 |
|               |    | 人生朝露   | 32 | 入室操戈          | 39 |
| (二畫)          |    | 人去樓空   | 32 | 入境問禁          | 39 |
| 二三其德          | 26 | 人言可畏   | 32 | 入幕之賓          | 40 |
| 二八年華          | 26 | 人定勝天   | 32 | 八拜之交          | 40 |
|               |    | 人非木石   | 33 | 八面威風          | 40 |
|               |    | 人面桃花   | 33 | 八面玲瓏          | 40 |
|               |    | 人面獸心   | 33 | 十全十美          | 41 |
|               |    | 人情冷暖   | 33 | 十字街頭          | 41 |
|               |    | 人謀不臧   | 33 |               |    |
|               |    | 人微言輕   | 34 |               |    |

|               |    |
|---------------|----|
| 十指如椎          | 41 |
| 十惡不赦          | 41 |
| 十不得一          | 42 |
| 十年生聚          | 42 |
| 十年樹木          | 42 |
| 十室九空          | 42 |
| 十目所視，<br>十手所指 | 42 |
| 十萬火急          | 43 |
| 十八般武藝         | 43 |
| 力可拔山          | 43 |
| 力不勝任          | 43 |
| 力不從心          | 43 |
| 力爭上游          | 44 |
| 力竭聲嘶          | 44 |
| 力圖自強          | 44 |
| 刀刀見血          | 44 |
| 刀下留人          | 44 |
| 刀光劍影          | 44 |
| 刀頭之蜜          | 45 |
| 刁鑽古怪          | 45 |
| 刁斗森嚴          | 45 |
| 又成畫餅          | 45 |
| 又弱一個          | 45 |
| 卜以決疑          | 45 |
| 卜晝卜夜          | 46 |

### (三畫)

|      |    |
|------|----|
| 三心二意 | 46 |
| 三頭六臂 | 46 |
| 三生有幸 | 46 |
| 三妻四妾 | 46 |
| 三迴九曲 | 47 |
| 三番四復 | 47 |
| 三長兩短 | 47 |
| 三言兩語 | 47 |

|         |    |
|---------|----|
| 三姑六婆    | 47 |
| 三元及第    | 48 |
| 三寸金蓮    | 48 |
| 三顧草廬    | 48 |
| 三朋四友    | 48 |
| 三三兩兩    | 48 |
| 三分鼎足    | 49 |
| 三令五申    | 49 |
| 三戶亡秦    | 49 |
| 三位一體    | 49 |
| 三思而行    | 50 |
| 三戰三北    | 50 |
| 三腳兩步    | 50 |
| 三句不離本行  | 50 |
| 三寸不爛之舌  | 50 |
| 三月不知肉味  | 51 |
| 三人行必有我師 | 51 |
| 千刀萬剗    | 51 |
| 千軍萬馬    | 51 |
| 千方百計    | 51 |
| 千辛萬苦    | 52 |
| 千言萬語    | 52 |
| 千里迢迢    | 52 |
| 千山萬水    | 52 |
| 千人所指    | 52 |
| 千里鵝毛    | 52 |
| 千呼萬喚    | 53 |
| 千篇一律    | 53 |
| 千嬌百媚    | 53 |
| 千載一時    | 53 |
| 千頭萬緒    | 53 |
| 千錘百鍊    | 54 |
| 千變萬化    | 54 |
| 寸步難移    | 54 |
| 寸草春暉    | 54 |
| 寸陰尺璧    | 54 |

|      |    |
|------|----|
| 寸草不留 | 55 |
| 寸絲不掛 | 55 |
| 寸步不離 | 55 |
| 孑然一身 | 55 |
| 山明水秀 | 56 |
| 山陰道上 | 56 |
| 山珍海錯 | 56 |
| 山窮水盡 | 56 |
| 山南地北 | 56 |
| 山高水遠 | 57 |
| 山高月小 | 57 |
| 山盟海誓 | 57 |
| 大刀闊斧 | 57 |
| 大才小用 | 57 |
| 大同小異 | 57 |
| 大器晚成 | 58 |
| 大聲疾呼 | 58 |
| 大搖大擺 | 58 |
| 大驚小怪 | 58 |
| 大顯身手 | 58 |
| 大才槃槃 | 59 |
| 大公無私 | 59 |
| 大功告成 | 59 |
| 大失所望 | 59 |
| 大事鋪張 | 59 |
| 大家閨秀 | 60 |
| 大庭廣衆 | 60 |
| 大海撈針 | 60 |
| 大發雷霆 | 60 |
| 大肆咆哮 | 60 |
| 大謬不然 | 61 |
| 大權在握 | 61 |
| 大名鼎鼎 | 61 |
| 大逆不道 | 61 |
| 大言不慚 | 61 |
| 大相逕庭 | 62 |

|         |    |                 |    |      |    |
|---------|----|-----------------|----|------|----|
| 大智若愚    | 62 | 才子佳人            | 70 | 不分軒輊 | 77 |
| 大氣磅礴    | 62 | 才高八斗            | 70 | 不毛之地 | 78 |
| 大腹便便    | 62 | 口血未乾            | 70 | 不可捉摸 | 78 |
| 大勢已去    | 63 | 口若懸河            | 71 | 不可思議 | 78 |
| 大義滅親    | 63 | 口是心非            | 71 | 不可理喻 | 78 |
| 上諂下驕    | 63 | 口誅筆伐            | 71 | 不平則鳴 | 78 |
| 上和下睦    | 63 | 口碑載道            | 71 | 不成體統 | 79 |
| 上樹拔梯    | 64 | 口中雌黃            | 72 | 不共戴天 | 79 |
| 上下交征    | 64 | 口福不淺            | 72 | 不同凡響 | 79 |
| 上下其手    | 64 | 口說無憑            | 72 | 不安於室 | 79 |
| 上行下效    | 64 | 口角春風            | 72 | 不足掛齒 | 80 |
| 上駟之材    | 64 | 口蜜腹劍            | 72 | 不見經傳 | 80 |
| 下里巴人    | 65 | 戶位素餐            | 73 | 不知所措 | 80 |
| 下堂求去    | 65 | 之子于歸            | 73 | 不近人情 | 80 |
| 下筆成文    | 65 | 之死靡它            | 73 | 不言而喻 | 81 |
| 下乘之才    | 65 | 亡命之徒            | 73 | 不知進退 | 81 |
| 下榻留賓    | 66 | 亡羊補牢            | 74 | 不合時宜 | 81 |
| 小心翼翼    | 66 | 工力悉敵            | 74 | 不明底蘊 | 81 |
| 小事糊塗    | 66 | 工程浩大            | 74 | 不識抬舉 | 81 |
| 小時了了    | 66 | 工欲善其事，必<br>先利其器 | 74 | 不識時務 | 81 |
| 小人得志    | 67 | 士爲知己死           | 75 | 不可救藥 | 82 |
| 小材大用    | 67 | 土崩瓦解            | 75 | 不修邊幅 | 82 |
| 小巧玲瓏    | 67 | 土頭土腦            | 75 | 不速之客 | 82 |
| 小家碧玉    | 67 | 久旱逢甘雨           | 75 | 不脛而走 | 82 |
| 小鳥依人    | 67 | 久歷風塵            | 75 | 不苟言笑 | 83 |
| 小康之家    | 68 | 久蟄思鳴            | 76 | 不念舊惡 | 83 |
| 小試其技    | 68 | 巾幘英雄            | 76 | 不倫不類 | 83 |
| 小懲大誠    | 68 | 凡夫俗子            | 76 | 不辱使命 | 83 |
| 小巫見大巫   | 68 | 凡桃俗李            | 76 | 不寒而慄 | 84 |
| 小試鋒芒    | 69 | 川流不息            | 76 | 不教而誅 | 84 |
| 女中丈夫    | 69 |                 |    | 不堪設想 | 84 |
| 女生外嚮    | 69 |                 |    | 不勝其煩 | 84 |
| 女子無才便是德 | 69 | (四畫)            |    | 不勝枚舉 | 84 |
| 才疏學淺    | 69 | 不了了之            | 77 | 不即不離 | 85 |
| 才貌相全    | 70 | 不二法門            | 77 | 不絕如縷 | 85 |
| 才高意廣    | 70 | 不分皂白            | 77 | 不欺暗室 | 85 |

|           |    |           |     |             |     |
|-----------|----|-----------|-----|-------------|-----|
| 不假思索      | 85 | 六神無主      | 93  | 天之驕子        | 101 |
| 不學無術      | 86 | 六親無靠      | 93  | 天不假年        | 101 |
| 不翼而飛      | 86 | 公諸同好      | 93  | 天生尤物        | 101 |
| 不辭辛勞      | 86 | 公私蠅集      | 93  | 天作之合        | 101 |
| 不歡而散      | 86 | 公事公辦      | 94  | 天災人禍        | 101 |
| 不惑之年      | 86 | 公道自在人心    | 94  | 天造地設        | 102 |
| 不懶不怠      | 87 | 匹夫有責      | 94  | 天從人願        | 102 |
| 不知鹿死誰手    | 87 | 匹夫之勇      | 94  | 天真爛漫        | 102 |
| 不知稼穡艱難    | 87 | 匹夫不可奪志也   | 94  | 天理良心        | 102 |
| 不自由毋寧死    | 87 | 匹夫無罪，懷璧其罪 | 95  | 天衣無縫        | 102 |
| 不入虎穴，焉得虎子 | 88 | 分文不取      | 95  | 天花亂墜        | 103 |
| 五色繽紛      | 88 | 分甘共苦      | 95  | 天香國色        | 103 |
| 五花八門      | 88 | 分花拂柳      | 95  | 天怒人怨        | 103 |
| 五穀豐登      | 88 | 分庭抗禮      | 95  | 天荒地老        | 103 |
| 五內如焚      | 88 | 分道揚鑣      | 96  | 天倫之樂        | 104 |
| 五世同堂      | 89 | 分所應爲      | 96  | 天高地厚        | 104 |
| 五光十色      | 89 | 分盟離析      | 96  | 天理循環        | 104 |
| 五體投地      | 89 | 切中時弊      | 96  | 天理難容        | 104 |
| 仁心仁術      | 89 | 切切私語      | 97  | 天涯海角        | 105 |
| 仁至義盡      | 89 | 切磋琢磨      | 97  | 天淵之隔        | 105 |
| 仁漿義粟      | 90 | 切膚之痛      | 97  | 天誅地滅        | 105 |
| 互爲因果      | 90 | 切齒之仇      | 97  | 天經地義        | 105 |
| 互爭雄長      | 90 | 化險爲夷      | 98  | 天網恢恢        | 105 |
| 互相標榜      | 90 | 化整爲零      | 98  | 天羅地網        | 106 |
| 今非昔比      | 90 | 化敵爲友      | 98  | 天翻地覆        | 106 |
| 今是昨非      | 90 | 化腐朽爲神奇    | 98  | 天壤之別        | 106 |
| 井井有條      | 91 | 化干戈爲玉帛    | 99  | 天無絕人之路      | 106 |
| 井臼親操      | 91 | 及笄年華      | 99  | 太平盛世        | 107 |
| 井蛙之見      | 91 | 及鋒而試      | 99  | 太倉一粟        | 107 |
| 井水不犯河水    | 91 | 反老還童      | 99  | 太阿倒持        | 107 |
| 內省不疚      | 92 | 反面無情      | 100 | 太虛幻境        | 107 |
| 內則無愧      | 92 | 反唇相譏      | 100 | 孔武有力        | 108 |
| 內憂外患      | 92 | 反躬自問      | 100 | 少不更事        | 108 |
| 六月飛霜      | 92 | 反覆無常      | 100 | 少年老成        | 108 |
| 六根清淨      | 92 | 勾魂攝魄      | 100 | 少壯不努力，老大徒傷悲 | 108 |

|      |     |               |     |      |     |
|------|-----|---------------|-----|------|-----|
| 少見多怪 | 108 | 戶限爲穿          | 116 | 毋忝厥職 | 123 |
| 尺布斗粟 | 109 | 支吾其詞          | 116 | 比比皆是 | 124 |
| 尺璧非寶 | 109 | 支離破碎          | 117 | 毛骨悚然 | 124 |
| 引吭高歌 | 109 | 文不對題          | 117 | 毛遂自薦 | 124 |
| 引咎自責 | 109 | 文以載道          | 117 | 水中捞月 | 124 |
| 引狼入室 | 109 | 文江學海          | 117 | 水泄不通 | 124 |
| 引經據典 | 110 | 文君新寡          | 117 | 水到渠成 | 125 |
| 引頸就戮 | 110 | 文房四寶          | 118 | 水深火熱 | 125 |
| 引錐刺股 | 110 | 文治武功          | 118 | 水落石出 | 125 |
| 引入入勝 | 110 | 文從字順          | 118 | 水乳交融 | 125 |
| 中庸之道 | 110 | 文無定法          | 118 | 水性楊花 | 126 |
| 中饋猶虛 | 111 | 文責自負          | 118 | 水陸雜陳 | 126 |
| 中人之姿 | 111 | 文過飾非          | 119 | 火中取栗 | 126 |
| 中西合璧 | 111 | 文過其實          | 119 | 火傘高張 | 126 |
| 中流砥柱 | 111 | 文質彬彬          | 119 | 火眼金睛 | 126 |
| 心力交瘁 | 112 | 予取予求          | 119 | 火樹銀花 | 127 |
| 心不在焉 | 112 | 斤斤較量          | 119 | 牛刀小試 | 127 |
| 心不由主 | 112 | 方寸已亂          | 120 | 牛山濯濯 | 127 |
| 心心相印 | 112 | 方柄圓鑿          | 120 | 牛衣對泣 | 127 |
| 心甘意願 | 113 | 方便之門          | 120 | 牛鬼蛇神 | 128 |
| 心如止水 | 113 | 方興未艾          | 120 | 犬牙相制 | 128 |
| 心安理得 | 113 | 无妄之災          | 120 | 犬馬之勞 | 128 |
| 心荻意冷 | 113 | 日入而息          | 121 |      |     |
| 心直口快 | 113 | 日上三竿          | 121 | (五畫) |     |
| 夫唱婦隨 | 114 | 日久玩生          | 121 | 片面之言 | 128 |
| 夫子自道 | 114 | 日月如梭          | 121 | 世外桃源 | 128 |
| 夭桃穠李 | 114 | 日不暇給          | 121 | 世俗之見 | 129 |
| 夭矯不群 | 114 | 日暮途遠          | 122 | 世風日下 | 129 |
| 手不釋卷 | 114 | 日麗風和          | 122 | 世態炎涼 | 129 |
| 手不停揮 | 115 | 日圖三餐，<br>夜圖一宿 | 122 | 他山之石 | 129 |
| 手忙腳亂 | 115 | 日新月異          | 122 | 仗義疏財 | 129 |
| 手如柔荑 | 115 | 月白風清          | 122 | 仗勢凌人 | 130 |
| 手足重繭 | 115 | 月暈而風          | 123 | 付之流水 | 130 |
| 手到擒來 | 116 | 月落烏啼          | 123 | 付之丙丁 | 130 |
| 手無寸鐵 | 116 | 升堂入室          | 123 | 付之一笑 | 130 |
| 手舞足蹈 | 116 |               |     | 仙風道骨 | 130 |

|                |     |               |     |        |     |
|----------------|-----|---------------|-----|--------|-----|
| 代拆代行           | 131 | 半壁河山          | 133 | 市井之徒   | 145 |
| 代爲說項           | 131 | 去題萬里          | 138 | 平分春色   | 145 |
| 令人髮指           | 131 | 去如黃鶴          | 138 | 平心而論   | 145 |
| 令人噴飯           | 131 | 半吞半吐          | 138 | 平步青雲   | 145 |
| 令人切齒           | 131 | 半信半疑          | 138 | 平易近人   | 146 |
| 以己度人           | 132 | 半路出家          | 139 | 打退堂鼓   | 146 |
| 以身作則           | 132 | 半推半就          | 139 | 打抱不平   | 146 |
| 以身試法           | 132 | 古井重波          | 139 | 打草驚蛇   | 146 |
| 以匡不逮           | 132 | 古色古香          | 139 | 未卜先知   | 146 |
| 以卵投石           | 132 | 古道熱腸          | 140 | 未雨綢繆   | 147 |
| 以德報怨           | 133 | 古稀之年          | 140 | 未能免俗   | 147 |
| 以訛傳訛           | 133 | 另行高就          | 140 | 未竟之志   | 147 |
| 以貌取人           | 133 | 另請高明          | 140 | 未知鹿死誰手 | 147 |
| 以解倒懸           | 133 | 叫苦連天          | 140 | 本性難移   | 148 |
| 以不變應萬變         | 134 | 可操左券          | 140 | 正大光明   | 148 |
| 以子之矛，<br>攻子之盾  | 134 | 叱咤風雲          | 141 | 正氣凜然   | 148 |
| 以牙還牙           | 134 | 史無前例          | 141 | 正中下懷   | 148 |
| 以小人之心度<br>君子之腹 | 134 | 司空見慣          | 141 | 民不聊生   | 148 |
| 兄弟鬭牆           | 134 | 四大皆空          | 141 | 民脂民膏   | 148 |
| 出人意表           | 135 | 四面楚歌          | 142 | 民窮財盡   | 149 |
| 出人頭地           | 135 | 四海爲家          | 142 | 永垂不朽   | 149 |
| 出言不遜           | 135 | 四通八達          | 142 | 永無寧日   | 149 |
| 出其不意           | 135 | 外強中乾          | 142 | 玉石俱焚   | 149 |
| 出沒無定           | 135 | 外圓內方          | 143 | 玉殞香消   | 149 |
| 出於無意           | 136 | 失之交臂          | 143 | 玉成其事   | 150 |
| 出類拔萃           | 136 | 失之東隅，<br>收之桑榆 | 143 | 玉立亭亭   | 150 |
| 出爾反爾           | 136 | 失之毫釐，<br>謬之千里 | 143 | 玉不琢不成器 | 150 |
| 出淤泥而不染         | 136 | 左右逢源          | 143 | 瓜田李下   | 150 |
| 功力悉敵           | 136 | 左顧右盼          | 144 | 瓜瓞綿綿   | 150 |
| 功敗垂成           | 137 | 巧言令色          | 144 | 瓜熟蒂落   | 151 |
| 包羅萬象           | 137 | 巧取豪奪          | 144 | 甘之如飴   | 151 |
| 包藏禍心           | 137 | 巧奪天工          | 144 | 甘拜下風   | 151 |
| 半斤八兩           | 137 | 巧婦難爲無         |     | 生不逢辰   | 152 |
| 半途而廢           | 137 | 米炊            | 145 | 生死之交   | 152 |
|                |     |               |     | 生吞活剝   | 152 |
|                |     |               |     | 生殺予奪   | 152 |

|           |     |
|-----------|-----|
| 生張熟魏      | 152 |
| 生財有道      | 153 |
| 生花妙筆      | 153 |
| 生靈塗炭      | 153 |
| 生死人而肉白骨   | 153 |
| 用之不竭      | 153 |
| 白手成家      | 153 |
| 白玉微瑕      | 154 |
| 白雲蒼狗      | 154 |
| 白駒過隙      | 154 |
| 皮相之談      | 154 |
| 皮之不存，毛將焉附 | 155 |
| 目不交睫      | 155 |
| 目不暇給      | 155 |
| 目光如炬      | 155 |
| 目空一切      | 155 |
| 目瞪口呆      | 156 |
| 石投大海      | 156 |
| 立身處世      | 156 |
| 立竿見影      | 156 |
| 立地成佛      | 156 |
| 立錐之地      | 157 |

## (六畫)

|      |     |
|------|-----|
| 交淺言深 | 157 |
| 交頭接耳 | 157 |
| 任性妄爲 | 157 |
| 任勞任怨 | 157 |
| 亦步亦趨 | 158 |
| 休戚相關 | 158 |
| 休養生息 | 158 |
| 仰人鼻息 | 158 |
| 充耳不聞 | 159 |
| 先入爲主 | 159 |

|        |     |
|--------|-----|
| 先見之明   | 159 |
| 先發制人   | 159 |
| 先睹爲快   | 160 |
| 先君子後小人 | 160 |
| 光怪陸離   | 160 |
| 光明磊落   | 160 |
| 光天化日   | 160 |
| 光風霽月   | 161 |
| 再接再厲   | 161 |
| 再造之恩   | 161 |
| 冰消瓦解   | 161 |
| 冰壺秋月   | 162 |
| 冰清玉潤   | 162 |
| 刎頸之交   | 162 |
| 危言聾聽   | 162 |
| 危如累卵   | 163 |
| 危機四伏   | 163 |
| 各有千秋   | 163 |
| 各自爲政   | 163 |
| 各個擊破   | 163 |
| 各奔前程   | 164 |
| 合浦珠還   | 164 |
| 同工異曲   | 164 |
| 同仇敵愾   | 164 |
| 同舟共濟   | 165 |
| 同床異夢   | 165 |
| 同室操戈   | 165 |
| 同流合污   | 165 |
| 同病相憐   | 166 |
| 同歸於盡   | 166 |
| 名不虛傳   | 166 |
| 名正言順   | 166 |
| 名列前茅   | 166 |
| 名存實亡   | 167 |
| 名副其實   | 167 |
| 名落孫山   | 167 |
| 名躁一時   | 167 |
| 回天乏術   | 167 |
| 回頭是岸   | 168 |
| 回祿之災   | 168 |
| 回光返照   | 168 |
| 因人成事   | 168 |
| 因陋就簡   | 169 |
| 因噎廢食   | 169 |
| 多才多藝   | 169 |
| 好好先生   | 169 |
| 好事多磨   | 170 |
| 好高騖遠   | 170 |
| 好景不常   | 170 |
| 如火如荼   | 170 |
| 如蟻附膻   | 171 |
| 如虎添翼   | 171 |
| 如喪考妣   | 171 |
| 如法泡製   | 171 |
| 如出一轍   | 171 |
| 如數家珍   | 172 |
| 如願以償   | 172 |
| 如釋重負   | 172 |
| 如嚼鷄肋   | 172 |
| 妄自尊大   | 173 |
| 守口如瓶   | 173 |
| 守株待兔   | 173 |
| 守望相助   | 173 |
| 安分守己   | 174 |
| 安貧樂道   | 174 |
| 安然無恙   | 174 |
| 尖酸刻薄   | 174 |
| 屹立不動   | 174 |
| 年久失修   | 175 |
| 年近歲迫   | 175 |
| 年高德劭   | 175 |
| 年富力強   | 175 |

|             |     |
|-------------|-----|
| 忙中有錯        | 175 |
| 忙裏偷閒        | 175 |
| 成仁取義        | 176 |
| 成竹在胸        | 176 |
| 成見太深        | 176 |
| 成敗利鈍        | 176 |
| 成事不足，敗事有餘   | 176 |
| 收回成命        | 177 |
| 早知今日，悔不當初   | 177 |
| 曲高和寡        | 177 |
| 曲突徙薪        | 177 |
| 有名無實        | 178 |
| 有利可圖        | 178 |
| 有志竟成        | 178 |
| 有恃無恐        | 178 |
| 有勇無謀        | 178 |
| 有條不紊        | 179 |
| 有傷風化        | 179 |
| 有虧職守        | 179 |
| 朱陳之好        | 179 |
| 朱門酒肉臭，路有凍死骨 | 179 |
| 朽木糞土        | 180 |
| 死不瞑目        | 180 |
| 死心塌地        | 180 |
| 死灰復燃        | 181 |
| 死有餘辜        | 181 |
| 汗牛充棟        | 181 |
| 汗流浹背        | 181 |
| 汗馬功勞        | 181 |
| 江河日下        | 182 |
| 江郎才盡        | 182 |
| 牝牡驪黃        | 182 |
| 牝雞司晨        | 183 |

|      |     |
|------|-----|
| 百口莫辯 | 183 |
| 百尺竿頭 | 183 |
| 百孔千瘡 | 183 |
| 百年大計 | 184 |
| 百折不撓 | 184 |
| 百步穿楊 | 184 |
| 百廢待興 | 184 |
| 百弊叢生 | 184 |
| 百鍊成鋼 | 185 |
| 米珠薪桂 | 185 |
| 羽毛未豐 | 185 |
| 羽扇綸巾 | 185 |
| 老少無欺 | 185 |
| 老而不死 | 186 |
| 老生常談 | 186 |
| 老牛舐犢 | 186 |
| 老馬識途 | 186 |
| 老奸巨滑 | 187 |
| 老成持重 | 187 |
| 老氣橫秋 | 187 |
| 老蚌生珠 | 187 |
| 老當益壯 | 187 |
| 老羞成怒 | 188 |
| 羊腸小徑 | 188 |
| 羊質虎皮 | 188 |
| 耳食之言 | 188 |
| 耳濡目染 | 188 |
| 耳目一新 | 189 |
| 自力更生 | 189 |
| 自以爲是 | 189 |
| 自由職業 | 189 |
| 自甘墮落 | 189 |
| 自我陶醉 | 189 |
| 自告奮勇 | 190 |
| 自投羅網 | 190 |
| 自命不凡 | 190 |

|        |     |
|--------|-----|
| 自成一家   | 190 |
| 自作自受   | 190 |
| 自怨自艾   | 191 |
| 自強不息   | 191 |
| 自慚形穢   | 191 |
| 自相矛盾   | 191 |
| 自顧不暇   | 192 |
| 至死不悟   | 192 |
| 至理名言   | 192 |
| 色厲內荏   | 192 |
| 血氣方剛   | 193 |
| 血流漂杵   | 193 |
| 血海深仇   | 193 |
| 行將就木   | 193 |
| 行裝甫卸   | 193 |
| 行蹤飄忽   | 193 |
| 行不得也哥哥 | 194 |
| 行屍走肉   | 194 |
| 衣衫襏襫   | 194 |
| 衣鉢相傳   | 194 |
| 衣冠禽獸   | 194 |
| 衣架飯囊   | 195 |
| 衣香鬢影   | 195 |
| 阡陌縱橫   | 195 |

### (七畫)

|      |     |
|------|-----|
| 伯仲之間 | 195 |
| 低聲下氣 | 196 |
| 作法自斃 | 196 |
| 作育人才 | 196 |
| 作惡多端 | 196 |
| 作壁上觀 | 196 |
| 作繭自縛 | 197 |
| 克紹箕裘 | 197 |
| 克勤克儉 | 197 |
| 兵荒馬亂 | 197 |

|      |     |       |     |      |     |
|------|-----|-------|-----|------|-----|
| 兵不血刃 | 197 | 延攬人才  | 206 | 沉湎酒色 | 214 |
| 冷水澆頭 | 198 | 弄巧成拙  | 206 | 沉默寡言 | 214 |
| 冷血動物 | 198 | 弄假成真  | 206 | 沐猴而冠 | 214 |
| 冷言冷語 | 198 | 弄璋之喜  | 206 | 沒齒不忘 | 214 |
| 冷眼旁觀 | 198 | 形單影隻  | 207 | 沒精打彩 | 215 |
| 冷嘲熱諷 | 199 | 形色倉皇  | 207 | 沒頭沒腦 | 215 |
| 初出茅廬 | 199 | 形跡可疑  | 207 | 求之不得 | 215 |
| 初試啼聲 | 199 | 形影不離  | 207 | 求名求利 | 215 |
| 初生之犢 | 199 | 忍氣吞聲  | 207 | 求過於供 | 215 |
| 別出心裁 | 199 | 忍俊不禁  | 208 | 秀外慧中 | 215 |
| 別具隻眼 | 200 | 忍辱負重  | 208 | 肝腦塗地 | 216 |
| 別樹一幟 | 200 | 志同道合  | 208 | 肝胆相照 | 316 |
| 利慾薰心 | 200 | 志在必得  | 208 | 良莠不齊 | 216 |
| 否極泰來 | 200 | 忘年之交  | 208 | 見仁見智 | 216 |
| 含血噴人 | 200 | 忘恩負義  | 209 | 見利忘義 | 216 |
| 含沙射影 | 201 | 快刀斬亂麻 | 209 | 見笑大方 | 217 |
| 含冤莫白 | 201 | 扶搖直上  | 209 | 見異思遷 | 217 |
| 含苞待放 | 201 | 投桃報李  | 209 | 見風使航 | 217 |
| 含情脈脈 | 201 | 投閒置散  | 209 | 見義勇爲 | 217 |
| 含飴弄孫 | 201 | 投筆從戎  | 210 | 見獵心喜 | 217 |
| 吳下阿蒙 | 202 | 投鼠忌器  | 210 | 見機行事 | 218 |
| 吳牛喘月 | 202 | 投機取巧  | 210 | 言人人殊 | 218 |
| 吹毛求疵 | 202 | 投鞭斷流  | 210 | 言之成理 | 218 |
| 吹牛拍馬 | 203 | 改弦易轍  | 211 | 言不由衷 | 218 |
| 圓積居奇 | 203 | 改過自新  | 211 | 言多必失 | 219 |
| 囫圇吞棗 | 203 | 改頭換面  | 211 | 言猶在耳 | 219 |
| 坐井觀天 | 203 | 杜門謝客  | 211 | 走投無路 | 219 |
| 坐以待斃 | 203 | 杜絕後患  | 212 | 走馬看花 | 219 |
| 坐懷不亂 | 204 | 束之高閣  | 212 | 身後蕭條 | 219 |
| 妙手空空 | 204 | 束手待斃  | 212 | 身敗名裂 | 220 |
| 妙語解頤 | 204 | 束手無策  | 312 | 身懷六甲 | 220 |
| 孜孜不倦 | 204 | 束裝就道  | 213 | 身無長物 | 220 |
| 完璧歸趙 | 205 | 步人後塵  | 213 | 身臨其境 | 220 |
| 尾大不掉 | 205 | 步履維艱  | 213 | 車水馬龍 | 220 |
| 岌岌可危 | 205 | 每况愈下  | 213 | 車載斗量 | 221 |
| 希世之珍 | 205 | 沉魚落雁  | 213 | 防微杜漸 | 221 |

里巷之談…… 221  
拋磚引玉…… 237

## (八畫)

並行不悖…… 221  
並駕齊驅…… 222  
並蒂蓮花…… 222  
並世無雙…… 222  
乳臭未乾…… 222  
事半功倍…… 222  
事在人爲…… 223  
事與願違…… 223  
事過境遷…… 223  
來日方長…… 223  
來龍去脈…… 224  
來勢洶洶…… 224  
侍奉箕帚…… 224  
依人作嫁…… 224  
依人籬下…… 225  
依依不捨…… 225  
依然故我…… 225  
依樣葫蘆…… 225  
兔死狗烹…… 226  
兔死狐悲…… 226  
兩小無猜…… 226  
兩全其美…… 226  
兩敗俱傷…… 227  
兩袖清風…… 227  
兩情纏綿…… 227  
刺股讀書…… 227  
刺刺不休…… 228  
刻不容緩…… 228  
刻舟求劍…… 228  
刻畫入微…… 228  
刻薄成家…… 228  
削足就履…… 229

取快一時…… 229  
受之有愧…… 229  
受寵若驚…… 229  
咄咄逼人…… 230  
和衷共濟…… 230  
垂涎三尺…… 230  
垂頭喪氣…… 230  
夜郎自大…… 230  
夜闌人靜…… 231  
奄奄一息…… 231  
奇貨可居…… 231  
奇葩異卉…… 231  
始作俑者…… 232  
始料不及…… 232  
姍姍來遲…… 232  
姑妄言之…… 232  
委曲求全…… 232  
委罪於人…… 233  
委靡不振…… 233  
孤苦伶仃…… 233  
孤注一擲…… 233  
孤陋寡聞…… 234  
孤掌難鳴…… 234  
居心叵測…… 234  
居安思危…… 234  
屈指可數…… 234  
幸災樂禍…… 235  
快人快語…… 235  
快馬加鞭…… 235  
忽忽不樂…… 235  
忠言逆耳…… 235  
忠心耿耿…… 236  
怙惡不悛…… 236  
所向披靡…… 236  
披荆斬棘…… 236  
披麻帶孝…… 237  
抱薪救火…… 237  
拔刀相助…… 238  
招搖撞騙…… 238  
招搖過市…… 238  
放下屠刀…… 238  
放蕩不羈…… 238  
明日黃花…… 239  
明目張膽…… 239  
明知故犯…… 239  
明爭暗鬥…… 239  
明哲保身…… 239  
明眸皓齒…… 240  
明察秋毫…… 240  
易如反掌…… 240  
朋比爲奸…… 240  
杯弓蛇影…… 241  
杯水車薪…… 241  
杯盤狼藉…… 241  
東山再起…… 241  
東床坦腹…… 242  
東窗事發…… 242  
東施效顰…… 242  
杳如黃鶴…… 242  
杳無音信…… 243  
枕戈待旦…… 243  
林下之風…… 243  
林林總總…… 243  
欣欣向榮…… 243  
河東獅吼…… 244  
河魚之疾…… 244  
沽名釣譽…… 244  
沾沾自喜…… 244  
波譎雲詭…… 245  
泥牛入海…… 245  
泥塑木雕…… 245  
炙手可熱…… 245